'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Programme 2nd Semester Examination, 2023

DSC1/2-P2-HINDI

मध्यकालीन हिंदी कविता

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये– 3×4 =12

(क) कबीर ने विरह को 'सुलतान' क्यों कहा है ?

(ख) कबीर और तुलसी के राम में क्या अंतर है ?

(ग) सुरदास की तीन रचनाओं के नाम लिखिए।

(घ) घनानंद के काव्य में 'सुजान'शब्द का प्रयोग किस - किस अर्थ में हुआ है ?

(ङ) बिहारी द्वारा रचित नीति संबंधी कोई एक दोहा लिखिए।

(च) भूषण की वीर रस संबंधी तीन रचनाओं के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 6×4 = 24

(क) "जसुमति दौरि लिए हरि कनियाँ।
आजु गयौ मेरौ गाइ चरावन, हौं बलि जाऊँ निछनियाँ।"

(ख) "पहिले अपनाय सुजान सनेह सों, क्यौं फिरि तेह कै तोरियै जू।
निरधार अधार दै बार-मझार दई गहि बाँह न बोरियै जू।"

(ग) "दृग उरझत टूटत कुटुम जुरत चतुर-चित प्रीति।
परति गाँठ दुरजन हियै, दई नई यह रीति ॥"

(घ) "एक भरोसो एक बल, एक आस विश्वास।
एक राम घनश्याम हित, चातक तुलसीदास।"

(ङ) "अंसुवन जल सींचि-सींचि प्रेम-बेलि बोई।
अब तो बेल फैल गई आणंद फल होई ॥"

(च) "मेरा मुझ में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तोर।
तेरा तुझको सौंपता, क्या लागै है मोर ॥"

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 12×2 = 24

(क) कबीर की सामाजिक चेतना पर विचार कीजिए।

(ख) रीतिमुक्त कवि के रूप मे घनानंद का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) भूषण के काव्य में वर्णित वीर रस के स्वरूप को उद्घाटित कीजिए।

(घ) सूरदास की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

——×——